

रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में गायब बाघ

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्य वन्यजीव वार्डन के अनुसार, [रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान \(RNP\)](#) में [बाघ](#) 2023 से गायब हो गए हैं।

मुख्य बदि

- रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 900 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में **शावकों सहित 75 बाघ हैं**, जिसके परिणामस्वरूप **क्षेत्रीय संघर्ष** होता है।
 - [भारतीय वन्यजीव संस्थान](#) के अध्ययन (2006-2014) के अनुसार, उद्यान लगभग 40 वयस्क बाघों को स्थायी रूप से आश्रय दे सकता है।
- यह हालिया घटना **एक वर्ष में इतनी बड़ी संख्या में बाघों के गायब होने की आधिकारिक सूचना देने का पहला मामला है**।
 - **बफर ज़ोन** से गाँवों को स्थानांतरित करके उद्यान पर दबाव कम करने के प्रयास **सुस्त रहे हैं**, सबसे हालिया स्थानांतरण वर्ष 2016 में हुआ।
- **रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान:**
 - **अवस्थिति:**
 - यह राजस्थान राज्य के पूर्वी भाग में **करौली और सवाई माधोपुर ज़िलों में अरावली एवं वधिय पर्वत शृंखलाओं** के संगम पर स्थित है।
 - इसे वर्ष **1973 में बाघ अभयारण्य घोषित किया गया**।
 - **शामिल उद्यान और अभयारण्य:**
 - इसमें **सवाई मानसहि और केलादेवी अभयारण्य** शामिल हैं।
- **वनस्पति:**
 - वन प्रकार मुख्य रूप से **उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती है**, जिसमें **'ढाक' (ब्यूटिया मोनसोपरमा)**, वृक्ष की एक प्रजाति है जो लंबे समय तक सूखे को झेलने में सक्षम है, सबसे आम है।
- **वन्य जीवन:**
 - यह उद्यान वन्य जीवन से समृद्ध है, तथा **स्तनधारियों में बाघ खाद्य शृंखला के शीर्ष पर हैं**।
 - यहाँ पाए जाने वाले अन्य जानवर हैं **तेंदुए**, धारीदार लकड़बग्घा, कॉमन या हनुमान लंगूर, **रीसस मकाक**, सियार, जंगली बिल्लियाँ, **कराकल**, **काला हरिण**, ब्लैकनेपड खरगोश और चकारा आदि।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

- * महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
- * सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन,
सदाबहार वन,
समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव
दलदल, घास के
मैदान और सवाना



देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES: परिशिष्ट-I
- WPA 1972: अनुसूची-I

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल विग कैंट्रेस एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर: 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना: प्रत्येक 5 वर्ष में

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
 - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
 - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिजर्व हैं
 - नवीनतम टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
 - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

